



## फसल लगाने की मार्गदर्शिका । खरबूज

### • खेत की जुताई और पुर्वतैयारी ।

- » सकरा मार्ग सिंचाई और जल निकासी में मदद करते हैं
- » जैविक अथवा प्लास्टिक मल्ल को मिट्टी में नमी संरक्षित करने एवं खरपतवार नियंत्रण के लिये उपयुक्त किया जा सकता है ।
- » रोपाई से पहले ट्रैलिस स्थापित करे
- » 26,600 पौधे प्रति हेक्टेयर (किस्म और मौसम के अनुसार बदलाव)



HINDI



# • पौधे तैयार करना।

- ◆ मीडिया तैयार करना; १० मिनट के लिए गरम करना या कडी धूप में आधे दिन तक रखना उसके उपरान्त ट्रे में डालना।



1 से 2 भाग मिट्टी के



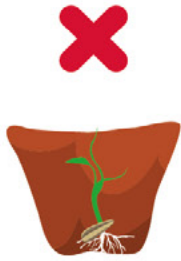
1 भाग विघटित खाद



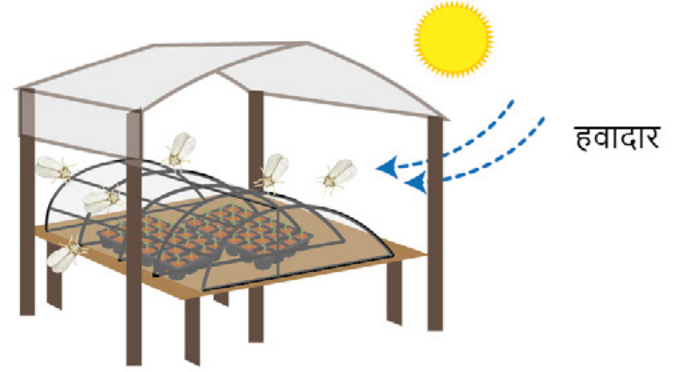
1 भाग रेत या कार्बनिकृत चावल के छिलके



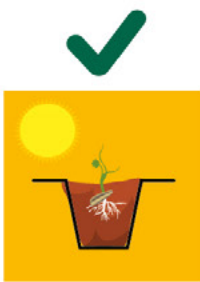
- ◆ बीज बोना और पौधों की रक्षा करना।



बुवाई की गहराई = 2 बीज का आकार



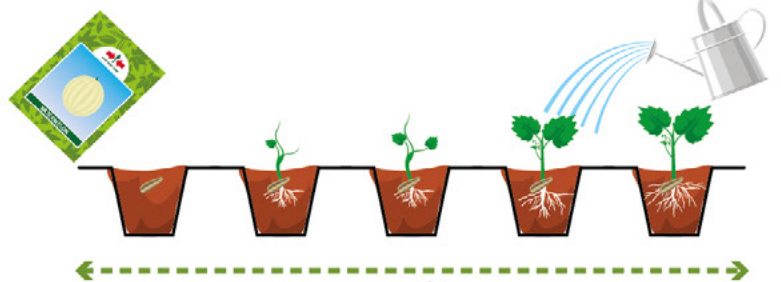
- ◆ नमी बराबर रखना



सुबह

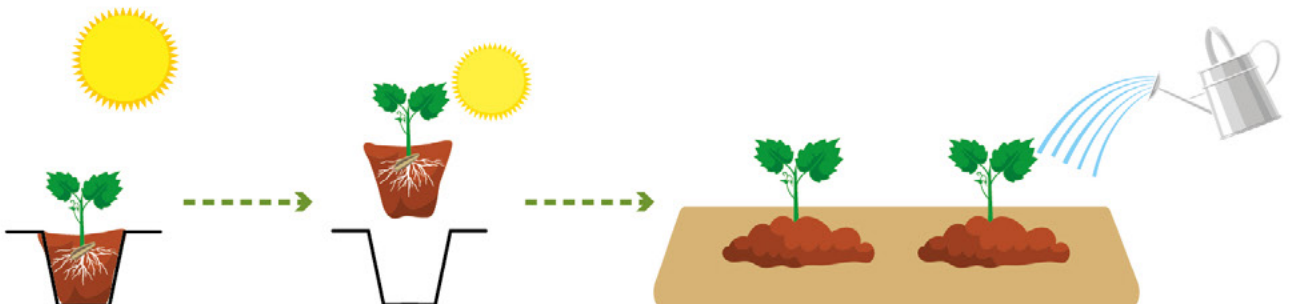


शाम

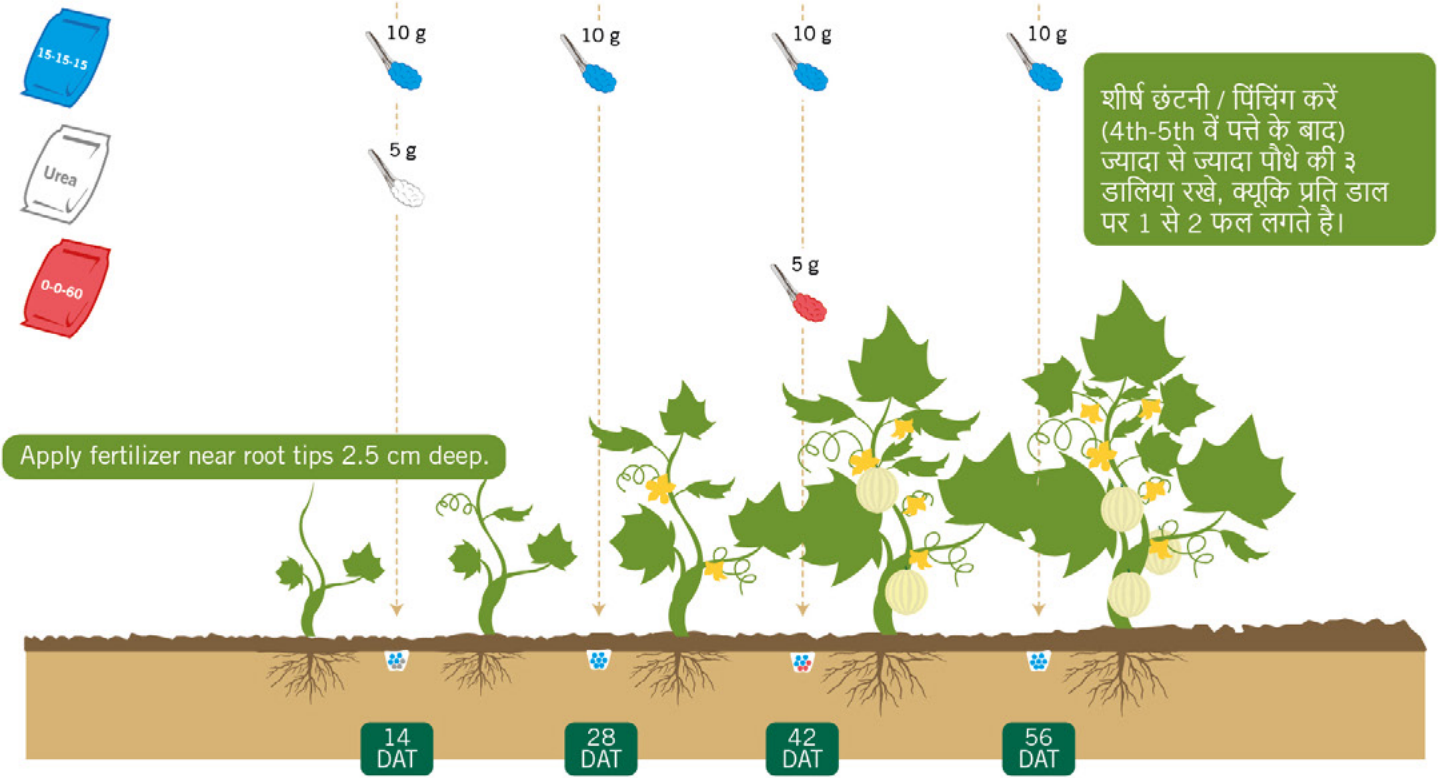


8-10 दिन

- ◆ पूर्व रोपण के 2-3 दिन पहले पानी की मात्रा कम करके, पौधों को धूप देना जरूरी है।



## • खाद व्यवस्थापन



फसल में खाद की अनुशंसित मात्रा २६,६०० प्रति हेक्टेयर पौधों के लिये है। खाद का उपयोग मृदा स्थिति, मौसम एवं पौधे की बढ़वार के अनुसार समायोजित कर सकते हैं।

## • एकीकृत कीट प्रबंधन



- » स्टिकी ट्रेप का उपयोग कीटों की निगरानी व अधिक संख्या में कीटों को पकड़ने के लिए करें।
- » फल मक्खी के लिए फिरोमोन ट्रेप, बैसिल अर्क ट्रेप का उपयोग करें।



रोगों के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये संक्रमित पौधों, पुराने पौधे एवं खरपतवार नष्ट कर दें व हटा दें।



फसल चक्रण करने से कीट और रोग रूकते हैं और मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती है।

# • एकीकृत कीट प्रबंधन एवं रसायनों का सावधानीपूर्वक उपयोग।

- » प्रतिरोधी क्षमता रोकने के लिये दुसरे कारवाई समूह रसायन उपयोग करे।
- » हमेशा कीटनाशक पर्चा पढे।



क्रियाशील घटक	कारवाई की विधि	क्रिया	तैला	माहु	सफेदमक्खी	ईल्ली	लीफ माइनर	भुंग	फल मक्खी
ल्याम्डा - सायलोथ्रीन	3A	SC	✓	✓	✓	✓	✓	✓	
डायनोटेफुरान	4A	S	✓	✓	✓		✓		✓
स्पिनोसाड	5	S				✓	✓		✓
स्पाइनटारम	5	SC				✓	✓		✓
अब्बाम्याक्टीन	6	SC (अल्प )	✓			✓	✓	✓	
थायोसायक्लाम ऑक्सिलेट	14	SC	✓	✓	✓		✓		
क्लोरानट्रानिलीप्रोल	28	S				✓	✓		
फ्लूबेंडीआमाईड	28	S				✓	✓		✓
बैसीलस थुरानजैन्सिस	11A	C				✓	✓		
अजाडीराक्टीन(नीम अर्क)	UN	अनजान	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

कारवाई की विधि (MoA) IRAC; SC (पेट+ संपर्क); S (प्रणालीनुसार)



क्रियाशील घटक	कारवाई की विधि	क्रिया	टिप्पणी	आद्र गलन	चूर्णिल आसिता	गमी स्टेम ब्लाइट	चूर्णिल आसिता	फल कुज/ सड़	विषाणू रोग
कॉपर आधारित फफूंदनाशी	M 01	P		✓	✓	✓	✓	✓	
क्लोरोथालोनील	M 05	P		✓	✓	✓	✓		
मैनकोजेब	M 03	P		✓	✓	✓	✓		
अझोक्सिस्ट्रोबीन	11	P + C	एक फसल चक्र के लिये अधिकतम चार बार	✓	✓	✓	✓		
प्रोपामोकार्ब	28	P + C		✓	✓				
सायमोक्सानील	27	C	प्रतिबंध का समूहिकरण (क्लोरोथालोनील और मैनकोजेब)	✓	✓				
मेटालेक्झील	4	P + C	प्रतिरोध क्षमता बढ़ने की संभावना ( 2बार इस्तेमाल करे)	✓	✓				
बैसीलस सबटिलस	BM02	P		✓	✓	✓	✓	✓	

Mode of Action (MoA) based from FRAC; P= प्रतिबंधित (जब तक लक्षण न दिखे तब तक प्रभावी), C=रोगनिवारक

- सुरक्षित इस्तेमाल करे
- अच्छा मौसम
- अच्छे नोज़झेल
- छिडकाव के बाद अच्छे से धोये ।



<https://growhow.eastwestseed.com>

इस फसल मार्गदर्शिका की पुष्ठी ईस्ट-वेस्ट सीड फाउंडेशन की जानकारी शृंखला का भाग है, © 2021 कॉपीराइट - ईस्ट - वेस्ट सीड फाउंडेशन के पास सभी अधिकार सुरक्षित है। कृषि रसायनों की संस्तुति वागेनिंगेन यूनिवर्सिटी एवं अनुसंधान के सहयोग से विकसित किया गया है।